उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ

माह जुलाई, 2020

लोक पर्व हरेला के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 16 जुलाई 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा तथा परिसर देहरादून द्वारा उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला के अवसर पर विश्वविद्यालय मुख्यालय तथा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया ।

हरेले के पर्व पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा गोद लिये गांव बसानी में फलदार पौधों का रोपण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, के नेतृत्व में गांव में सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल परिसर व अन्य स्थानों पर आम, अमरूद के पौधे लगाये गये।

कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी व पत्रकारिता के निदेशक प्रो. गोविन्द सिंह व कुलसचिव भरत सिंह परीक्षा नियंत्रक प्रो. पीडी पंत, ग्राम प्रधान विमला तड़ागी, जीवन्ती तड़ागी विश्वविद्यालय के ओर से बसानी गांव के नोडल अफसर राजेन्द्र सिंह क्वीरा, तथा एआरडी बृजेश बनकोटी, भरत नैनवाल ने बसानी के हेमन्त सिंह, दानसिंह तड़ागी, कैलाश पाण्डे, ईश्वर तड़ागी, निधि क्वीरा आदि के सहयोग से पौधों का रोपण किया। इस मौके पर कुलपति प्रो.नेगी ने कहा कि हरेला खुशहाली व हरियाली का पर्व है, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह इस कार्यक्रम को सफल बनाये व लगाये गये पौधों की रक्षा के लिए आगे आये और पौधों की सुरक्षा का जिम्मा ले।

विश्वविद्यालय द्वारा देहरादून में गोद लिए गॉव मोथरोवाला एवं समाल्टा में भी जन–जागरुकता अभियान के तहत 16 जुलाई 2020 को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव श्री विमल मिश्र एवं विश्वविद्यालय के परिसर कर्मियों के द्वारा मोथरोवाला के अन्तर्गत स्थित श्री गुरूराम राय इन्टर कॉलेज, मोथरोवाला देहरादून में प्रधानाचार्य जी के साथ मिलकर फलदार पौधों का रोपण किया गया।

विश्वविद्यालय के श्री अनिल कण्डारी, ए0आर0डी0 देहरादून, श्री गोविन्द रावत, ए0आर0डी0 उत्तरकाशी एवं परिसर कर्मी श्री अजय कुमार सिंह के द्वारा गाँव समाल्टा में जाकर श्री अनिल तोमर, संचालक एस0 एम0 आर0 स्नातक महाविद्यालय, साहिया, देहरादून के साथ मिलकर फलदार पौधों का रोपण किया गया।

कोविड–19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में भारतीय उपचार पद्धतियां (योग, आयुर्वेद, मर्म, प्राकृतिक चिकित्सा) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

दिनांक २० जुलाई २०२० को श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर चमोली, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी एवं आर्यवर्त शोध संस्थान (देवभूवविमव) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कोविड–19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में भारतीय उपचार पद्धतियां (योग, आयुर्वेद, मर्म, प्राकृतिक चिकित्सा) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। **जिसका उद्घाटन परम पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी अध्यक्ष पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के द्वारा भगवान् धन्वन्तरि की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया गया।**

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोव ओ0 पी0 एस0 नेगी, कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल, नई टिहरी के कुलपति प्रो0 पी0 पी0 ध्यानी, एवं माननीय भगवती प्रसाद राघव जी क्षेत्रीय संयोजक प्रज्ञा प्रवाह पव उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड तथा डॉव चौतन्य भंडारी अध्यक्ष देवभूमि विचार मंच उपस्थित रहे।

आचार्य बालकृष्ण जी ने अपने उद्घाटन भाषण में कोरोना महामारी के पीछे चीन व अन्य अंतर्राष्ट्रीय षणयंत्रों का भंडाफोड़ करते हुवे ये कहा की ये वायरस प्रयोगशाला निर्मित है और ये जैविक युद्ध की भी शुरुवात हो सकती है, जिसके कारण इम्युनिटी बूस्टर के रूप में बनी करोनिल दवा की आलोचना व दुष्प्रचार इन्ही शक्तियों के द्वारा किया जा रहा है जो नहीं चाहते की मानव जाति कोरोना के संकट से निजात पाए।

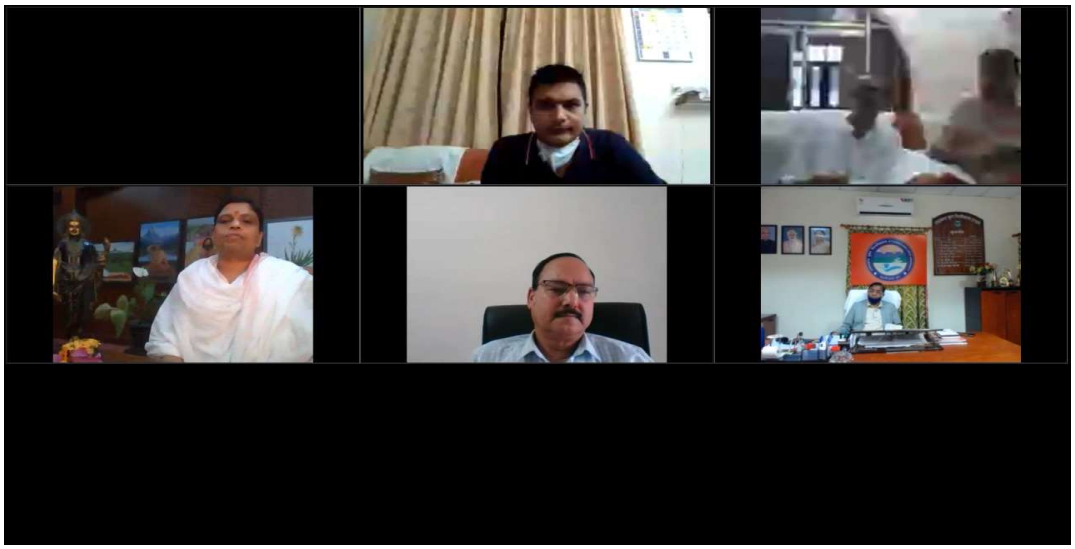

इसके पश्चात उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुवे वेबिनार के उद्देश्यों तथा विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुवे पतंजलि के द्वारा किये गए प्रयासों को साधुवाद दिया।

मुख्य वक्त के रूप में डॉव अनुराग वाष्णेय प्रतिष्ठित चिकित्सा वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पतंजलि शोध संस्थान हरिद्वार ने कोरोना महामारी के सन्दर्भ में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का दृ ष्टिकोण व धारणा का सारगर्भित विश्लेषण किया और अपने वक्तवय के द्वितीय भाग में कोरोना पर आयुर्वेदिक दवाओं के प्रभाव का विश्लेषण किया. उन्होंने ये भी बताया की किस प्रकार करोनिल दवा के विभिन्न घटक इस बीमारी पर सकारात्मक प्रभाव डालते है।

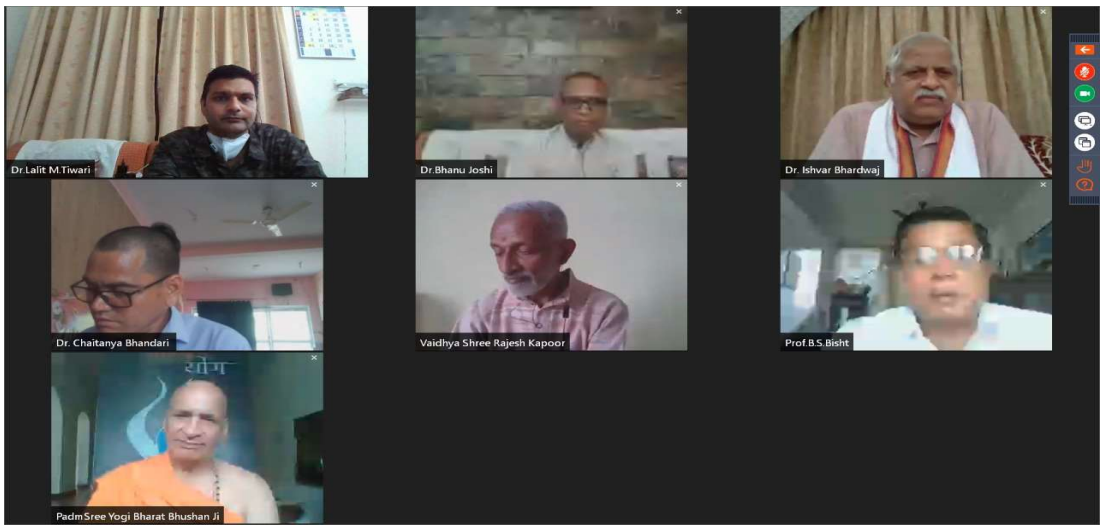

प्रथम तकनीकी सत्र में विश्वविख्यात भारतीय पोषण विज्ञानी तथा मधुमेह विशेषज्ञ डॉव विश्वरूप राय चौधरी ने कोरोना को लेकर व्याप्त भ्रांतियों का प्रामाणिक विदेशी सन्दर्भों के साथ निराकरण किया तथा इसके पीछे छिपे भय के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का पर्दाफाश किया ।

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो0 पी0 पी0 ध्यानी अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी वक्ताओं एवं अतिथिओं का आभार व्यक्त करते हुवे इस पहल को सराहनीय बताया तथा सभी वक्ताओं एवं अतिथिओं का इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार रखने के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकताओं पर जोर दिया।

वेबिनार निदेशक प्रोव आर0 के0 गुप्ता, प्राचार्य, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर (चमोली) ने वेबिनार के प्रारंभ में वेबिनार की रूपरेखा तथा कोरोना में भारतीय उपचार पद्यतियों पर प्रकाश डाला। सेमिनार का संचालन करते हुवे डॉ0 भानु जोशी विभागाध्यक्ष योग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने कोरोना के प्रभाव पर चर्चा करते हुवे योगमय जीवनशैली पर जोर दिया।

अंत में डॉव ललित एम्व तिवारी असिस्टेंट प्रोफेसर (शारीरिक शिक्षा) श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर (चमोली) ने इस महामारी के सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी आयोजन संस्थाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर (चमोली) से डॉ0 एम्व के0 उनियाल, डॉ0 बी0 सी0 शाह, डॉव शिवचंद्र रावत, डॉ0 गिरधर जोशी, डॉ0 जगमोहन नेगी एवं मीडिया प्रभारी डॉ0दर्शन सिंह नेगी

इन्नोवेशन टेक्नोलॉजी एंड क्वालिटी इन डिस्टेंस एजुकेशन नामक विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विद्या शाखा द्वारा **''इन्नोवेशन टेक्नोलॉजी एंड क्वालिटी इन डिस्टेंस एजुकेशन''** विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के **मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव** ने अपने उद्बोधन में डिग्री आधारित शिक्षा की जगह पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के बारे में जोर दिया। साथ ही उन्होंने स्वयं रेगुलेशन 2016 के पाठ्यक्रमों को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए बात कही। साथ ही उन्होंने बताया कि सारे विश्वविद्यालयों की ई पाठयसामग्री अब एक ही पोर्टल पर एकत्र किए जाने के लिए एमएचआरडी ने निर्णय लिया है और एमएचआरडी द्वारा निशुल्क डीटीएच पर विभिन्न विषयों से संबंधित 33 चौनलों का प्रसारण किया जा रहा है जिसका लाभ कोविड–19 के दौरान सभी शिक्षक और विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ले सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ सुबोध कुमार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मानव संसाधन को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विकसित किया जा सकता है दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत शिक्षकों को तैयार करना और शिक्षकों को अपने पाठ्यक्रम में क्वालिटी पर भी जोर देना होगा। वर्तमान परिस्थिति में दिव्यांग बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए दूरस्थ शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शिक्षकों को अपने अध्यापन में तकनीकी का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए।

वेबीनार की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी ने अपना उद्‌बोधन में बोला वर्तमान युग दूरस्थ शिक्षा का युग है। जिसमें इस कोविड–19 के चुनौती भरे समय में शिक्षा को अधिक नुकसान पहुंचाने से रोका है परंपरागत शिक्षा के विश्वविद्यालय के द्वारा भी तुरंत शिक्षा के उपागम कहे जाने वाले ई लर्निंग और ऑनलाइन लर्निंग का प्रयोग विद्यार्थियों तक पहुंचने में किया जा रहा है दूर शिक्षा विद्यार्थी के घर पर पहुंचा रही है

सेमिनार संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने दूरस्थ शिक्षा के नवाचार और प्रणाली पर आयोजित इस वेबीनार के उद्देश्यों के सम्बन्ध में बताया इससे पूर्व कार्यक्रम के उद्‌घाटन सत्र में विभागीय निदेशक प्रो एच पी शुक्ला ने दूरस्थ शिक्षा के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके संभावना के बारे में अपना वक्तव्य दिया। प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने टेक्नोलॉजी के साथ क्वालिटी के बारे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मूक कोर्स के बारे में बताया, इग्नू के प्रोफेसर अमिताभ मिश्र ने लॉकडाउन के कारण स्कूल जाने आने वाले बच्चों के व्यवहार में वर्तमान में परिवर्तन और संप्रेषण की कमी बताई।

कुलसचिव श्री भरत सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार के समापन सत्र के मुख्य अतिथि यूजीसी के **संयुक्त सचिव डॉ अविचल कपूर और अध्यक्षता प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय** द्वारा की गई।

सत्र को संबोधित करते हुए डॉ0 अविचल कपूर ने बताया कि डिस्टेंस एजुकेशन से निकले विद्यार्थी वैश्विक रूप से सफल हुए हैं दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रमों की मांग व क्वालिटी दोनों बड़ी हैं दूरस्थ शिक्षा के विश्वविद्यालय को अधिक से अधिक ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए दूरस्थ शिक्षा के शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के आयोजन की आवश्यकता है दूरस्थ शिक्षा के शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के साथ उनकी शिक्षा से संबंधित संपूर्ण जानकारी से उनको अपडेट करना चाहिए।

समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे हैं कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी ने बोला कि शिक्षा एक ऐसा साधन है जो समाज में बदलाव ला सकता है विश्वविद्यालय ने अपने स्वयं का ई पोर्टल निर्मित किया है जिसमें सभी पाठ्यक्रम की किताबें असाइनमेंट अपलोड हैं विश्वविद्यालय मोबाइल लर्निंग

के माध्यम से अपने विद्यार्थी से जुड़ा है आज दूरस्थ शिक्षा राज्य में शिक्षार्थी के घर तक पहुंच चुकी है वेबीनार के समापन पर आयोजन सचिव डॉ भास्कर चौधरी द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। दीनार में डॉक्टर ममता असवाल डॉक्टर कल्पना लखेड़ा डॉक्टर मनीषा पंत,डॉक्टर दिनेश चौधरी डॉक्टर ममता कुमारी डॉ राकेश रयाल व विनीत पौडवाल समेत अनेकों विश्वविद्यालय के प्रतिभागी उपस्थित थे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी के बीच एम0ओ0यू0

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी, नवाला, नुगेगोडा, श्रीलंका के बीच शैक्षिक सहभागिता को लेकर श्रीलंका ओपन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एस0 ए0 अरियेदुराई एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव भरत सिंह ने एक एमओयू हस्ताक्षर किये।

यूओयू के कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी ने बताया कि यह अंतराष्ट्रीय एमओयू दोनों विश्वविद्यालय के बीच एक महत्वपूर्ण शैक्षिक सहभागिता के लिए कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इसके तहत अकादमिक, शैक्षिक, शोध गतिविधियों का आदान–प्रदान होगा तथा फैकल्टी के आदान–प्रदान के साथ–साथ सयुंक्त शोध कार्य, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं में सहभागिता होगी। इसके अलावा शैक्षिक विकास के साथ साथ सांस्कृतिक विकास और सांस्कृतिक सहभागिता भी होगी। प्रो0 नेगी ने कहा कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि भरा एमओयू है जो एक अंतराष्ट्रीय शैक्षिक–सांस्कृतिक गठबन्धन होगा।

इसमें दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। फैकल्टी उन्नयन कार्यक्रमों के साथ दोनों विश्वविद्यालय के शिक्षक एक दूसरे विश्वविद्यालय में शैक्षिक गतिविधियों हेतु आ– जा सकते हैं। इसके अलावा दोनों विश्वविद्यालय अपने अध्ययन सामग्री का भी आदान–प्रदान कर सकेंगे।

प्रो0 नेगी ने कहा कि तमाम शैक्षिक शोध गतिविधियों से सम्बंधित संवाद दोनों विश्वविद्यालय के कुलपतियों के माध्यम से उनके पते से किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डौ जितेंद्र पांडेय इसके समन्वयक होंगे।

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों की ऑनलाईन कार्याशालाओं का आयोजन–

योग कार्यशाला

योग विभाग द्वारा दिनांक 13 से 17 जुलाई 20 तक एक आनलाइन कार्यशाला/ वर्चुअल कक्षाओं का निम्नानुसार आयोजन किया गया।

क्रम संख्या	दिनांक	कार्यशाला संख्या	कक्षा	कुल प्रतिभागी
1	13 जुलाई से 17 जुलाई 2020	118	एम०ए० प्रथम वर्ष	208
2	13 जुलाई से 17 जुलाई 2020	119	योग विज्ञान में डिप्लोमा / स्नातक प्रथम वर्ष	39

योग के क्रियात्मक अभ्यासों की पॉच विडियों बनाई गई जिन्हे whatsapp Goup था विश्वविद्यालय के Youtube चौनल में प्रसारित किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, श्रीदेवसुमन विश्वविद्यालय तथा आर्याव्रत शोध संस्थान (देवभूमि विचार मंच) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 20 व 21 जुलाई को दो दिवसीय राष्टीय बेबिनार का आयोजन किया गया था। बेबिनार का विषय था कोविड 19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में भारतीय उपचार पद्धतियां – योग, आयुर्वेद, मर्म एवं प्राकृतिक चिकित्सा।

इस कार्यक्रम में अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने की तथा विषय विशेषज्ञों के रूप में आयुर्वेद के विश्व प्रसिद्ध मनीषी आचार्य बालकृष्ण जी, पदमश्री भारत भूषण जी, विश्वप्रसिद्ध मर्म चिकित्सा के विद्वान तथा उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0सुनीलजोशी, विश्वप्रसिद्ध आहार चिकित्सक विश्वराय चौधरी, परम्परागत वैद्य श्री राजेश कपूर तथा प्रो0 ईश्वर भारद्वाज जी का लाभ सभी को प्राप्त हुआ। इस वेबीनार हेतु 1300 लोगों ने नामांकन कराया था तथा 1000 से अधिक ने प्रतिभाग किया।

विज्ञान विभाग–

Virtual Workshop Photographs for Chemistry Programme

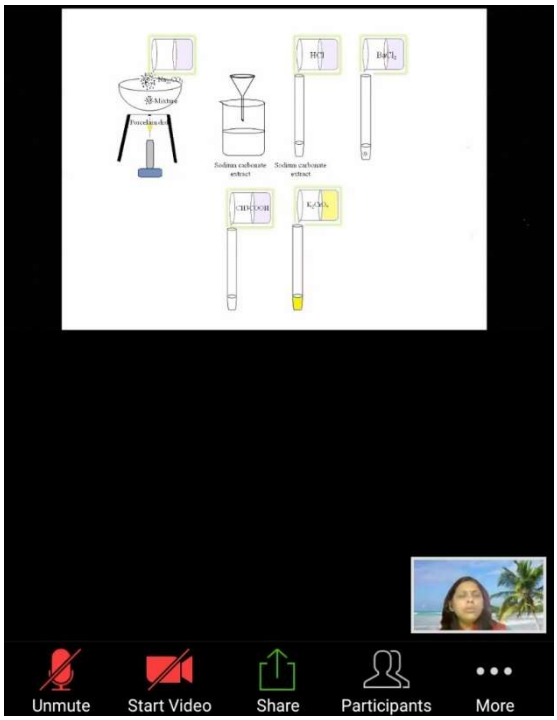

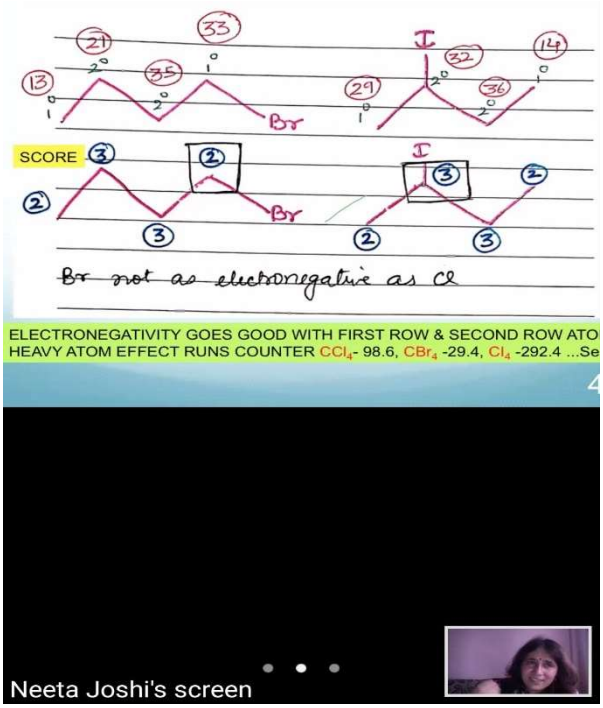

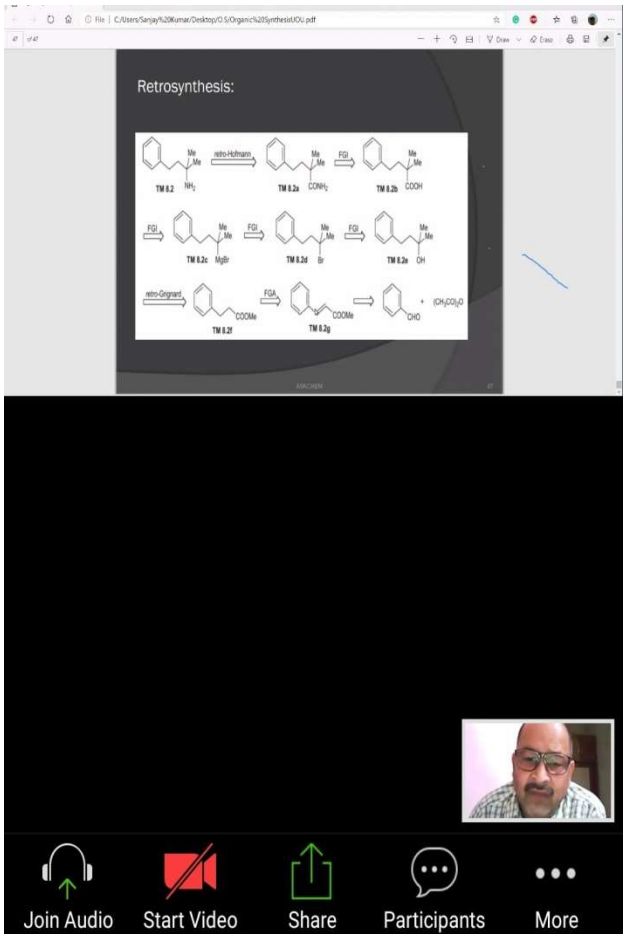

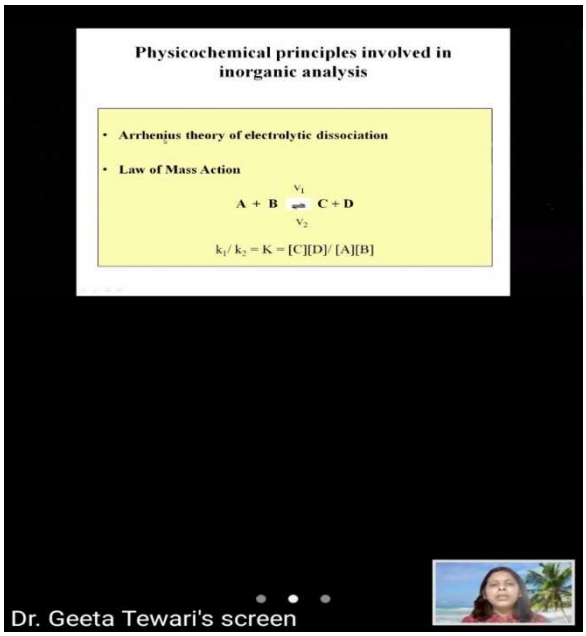

"Strategic Thinking Toward Movement from Global to Local" विषय पर द्वि दिवसीय ऑनलाइन सेमीनार का आयोजन

दिनांक 29th व 30th जुलाई, 2020 को प्रबंध अध्ययन व वाणिज्य विद्याशाखा द्वारा "Strategic Thinking Toward Movement from Global to Local" विषय पर द्वि दिवसीय ऑनलाइन सेमीनार आयोजित किया गया जिसमें राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालययों, संस्थानों व कॉलेजों से 633 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया |

इसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपना उद्बोधन दिया | विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. पवन कुमार सिंह, एम डी आई गुडगाँव, प्रो. राम सिंह, आई आई एफ टी, नई दिल्ली व प्रो. एच. एस. बाजपेई, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन दिए |

कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, प्रो. ओ. पी. एस. नेगी जी ने की | कार्यक्रम का संचालन प्रो. आर सी मिश्र, डॉ गगन सिंह, डॉ मंजरी अग्रवाल व डॉ सुमित प्रसाद, प्रबंध अध्ययन व वाणिज्य विद्याशाखा ने किया |

School of Earth and Environmental Science

A: Department of Forestry and Environmental Science

A virtual workshop for the learners of Master of Science (Environmental Science) – First Year was organized from 08.07.2020 to 20.07.2020. The main highlights of the workshops are as follows:

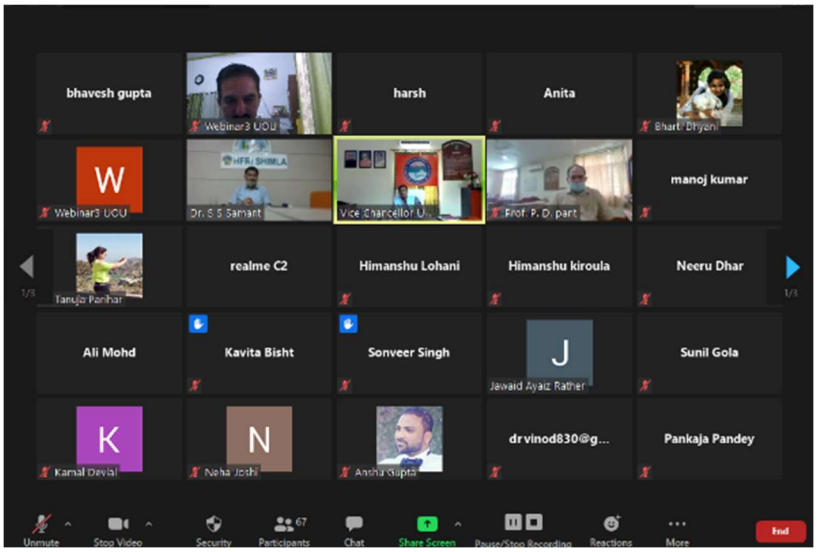

The inaugural session was presised over by Hon'ble Vice Chancellor of the University and the Chief Guest of the session was Dr. S.S. Samant, Director, Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla.

Experts from nine (09) Universities / Institutes/ Colleges were invited to deliver lecture to the learners. Himalayan Forest Research Institute, Shimla (H.P.), Gurukul Kangri University, Haridwar (U.K.), Doon University, Dehradun (U.K.), Vivekanand College of Education Roorkee (U.K.), Amrapali Institute of Science and Technology (U.K.), Central University of Haryana (CUH), Indira Gandhi Open University, M.B. PG College, Haldwani, Nainital, Kumaun University, Central University of Jammu.

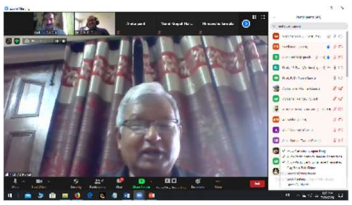

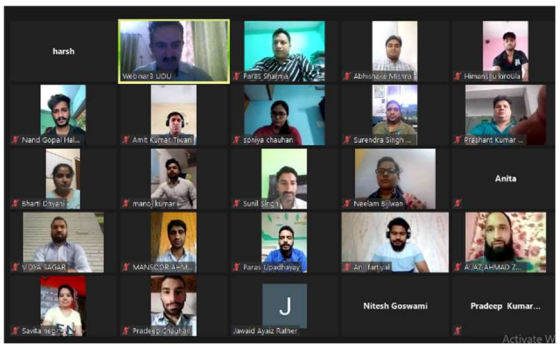

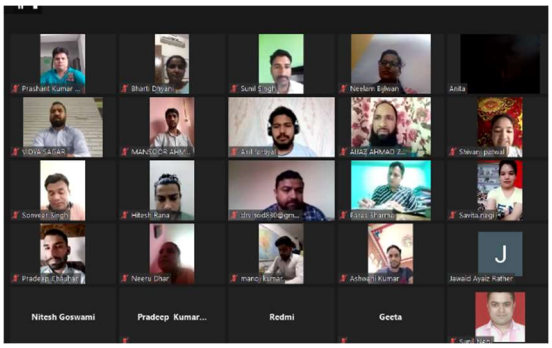

Name of Course	Code	No. of Lectures	Duration (Hrs)	Assignments
Computer Programming	ES 501	04	08	02
Ecology and Natural Resource Management	ES 502	05	10	04
Environmental Remote Sensing and GIS	ES 503	03	06	02
Environmental Health and Natural Hazards	ES 504	05	10	03
ODL and OER	For All Courses	01	02	01
Total		18	36	12

- Eighteen lectures, each lecture of two hours duration, (total 36 credits hours) were inducted during the workshop. Course wise summary of lectures and assignments is as follows:

- Dr. Manjari Agarwal, Asst. Professor, Management Submitted and Presented a Paper in **24th IDEA National Conference** organised by **Institute of Distance and Open Learning, University of Mumbai** in association with **Indian Distance Education Association (IDEA) and Commonwealth Educational Media Centre For Asia (CEMCA)** organized on 17th-18th July, 2020.The detail of the paper is given below; **Tool Development to Assess Readiness for Adopting Blended Learning by the Management Institutions in the State of Uttarakhand-** Dr. Manjari Agarwal, Professor Durgesh Pant and Dr. Sunita Sanguri

****